

कनिष्ठ वि. (तत्.) 1. बहुत छोटा, सबसे छोटा 2. जो पीछे उत्पन्न हुआ हो 3. हीन, निकृष्ट।

कनिष्ठिका स्त्री. (तत्.) हाथ की पाँचों उंगलियों में जो सबसे छोटी होती है, छिगुनी।

कनी स्त्री. (तद्.) 1. सबसे छोटा टुकड़ा 2. हीरे का छोटा टुकड़ा 3. चिनगारी 4. वर्षा की बूँद।

कनीज स्त्री. (फा.) दासी, सेविका, बाँदी।

कनेल पुं. (तद्.) एक पौधा जिसमें पतली हरी पत्तियाँ तथा पीले या लाल फूल लगते हैं।

कनौजिया वि. (देश.) 1. कन्नौज का निवासी या जिसके पूर्वज कनौज से आए हों कनौजिया ब्राह्मण, कनौजिया इत्र आदि।

कनौड़ा वि. (देश.) जिसकी एक आँख हो या जिसकी दृष्टि सीधी न पड़ती हो 1. काना 2. अपंग 3. कलंकित 4. क्षुद्र, दीन 5. लज्जित 6. उपकृत, अहसानमंद।

कन्नड़ पुं. (देश.) 1. दक्षिण भारत का एक प्रदेश जहाँ की भाषा कन्नड़ है 2. स्त्री. कन्नड़ प्रदेश की भाषा 3. वि. कन्नड़ का निवासी, कर्नाटक से संबंधित।

कन्ना पुं. (देश.) 1. पतंग का वह डोरा जो काँप से बाँधा जाता है जिससे उड़ानेवाली लंबी डोर बंधी होती है 2. पतंग का छेद जिसमें कन्ना बाँधा जाता है 3. कोर, किनारा 4. चावल की धूल 5. किसी वस्तु का कोई कोना

कन्नी पुं. (तद्.) राजगीरों का वह औजार जिससे दीवार पर गारे लगाकर चुनाई की जाती है स्त्री. (देश.) पतंग के दोनों ओर के किनारे 2. पतंग के संतुलन के लिए कन्नी में जो धज्जी बाँधी जाती है 3. किनारा, सिरा।

कन्नौज पुं. (तद्. कान्यकुब्ज) फर्रुखाबाद का एक नगर जो पहले एक विस्तृत राज्य की राजधानी था।

कन्नौजी स्त्री. (तद्.) कन्नौज की भाषा वि. कन्नौज का निवासी।

कन्या स्त्री. (तत्.) 1. अविवाहिता लड़की यौ. शब्द-पंचकन्या; पुराण के अनुसार पाँच पवित्र स्त्रियाँ-आहिल्या, द्रौपदी, कुंती, तारा, मंदोदरी, नवकन्या-तंत्र के अनुसार नौ जातियों की पवित्र स्त्रियाँ-नाटी, कापालिकी, वेश्या, धोबिन, नाइन, ब्राह्मणी, शूद्रा, ग्वालिन और मालिन 2. 12 राशियों में से छठी राशि।

कन्याकुमारी स्त्री. (तत्.) दक्षिण भारत में रामेश्वर के निकट का एक अंतरीप।

कन्यादान पुं. (तत्.) विवाह में वर को कन्या देने की रीति।

कन्वास पुं. (अं.) सूत, पट्ट आदि का वस्त्र जो पाल, तंबू, आदि बनाने के काम में लाया जाता है।

कन्हाई पुं. (देश.) श्रीकृष्ण।

कन्हैया पुं. (देश.) श्रीकृष्ण, प्रिय, व्यक्ति।

कप पुं. (अं.) प्याला।

कपट पुं. (तत्.) 1. स्वार्थसाधन के लिए हृदय की बात छिपाने की वृत्ति। छल, धोखा, 2. दुराव, छिपाव।

कपटी वि. (तत्.) धूर्त, धोखेबाज।

कपड़छन वि. (देश.) कपड़े से छना हुआ।

कपड़ा पुं. (तद्.) 1. रुई, रेशम, ऊन या सन के तागों से बुना हुआ आच्छादन, वस्त्र, पट, यौ. कपड़ा-लत्ता, व्यवहार के योग्य सब कपड़े 2. पहनावा, पोशाक।

कपाट पुं. (तत्.) किवाड़, पट, द्वार।

कपाल पुं. (तत्.) 1. खोपड़ा, खोपड़ी, कपार, ललाट यौ. कपालक्रिया 2. अदृष्ट, भाग्य।

कपालक्रिया स्त्री. (तत्.) दाहसंस्कार के अंतर्गत एक कृत्य जिसमें जलते हुए शव की खोपड़ी को बाँस से फोड़ देते हैं।

कपास स्त्री. (तद्.) एक पौधा जिसके डोड़ों से रुई निकलती है, कपास ओटना-चर्खी में रुई डाल कर बिनौले को अलग करना।